System PSY.

Dr. Sunil Kr. Suman
Assistant Professor
Dept of Psychology
D.B. College Jaynagar
L.N.M.U. Darbhanga

Study material
B.A. Part-II (H)
Paper – IV
Date :- 6-11-20
DO-Next-class

Humanistic Psychology

Contribution of Maslow.

(1) दैहिक आवश्यकता (Physiological need) :-

दैहिक आवश्यकता उन मौलिक आवश्यकताओं को कहा जा सकता है जिसमें भोजन, जल, ऑक्सिजन, तापक्रम, यौन (sex) आदि की जरूरतें सम्मिलित होती है। ये आवश्यकताएं सबसे अधिक महत्व की होती है। इन आवश्यकताओं की तुष्टि नहीं होती है, तो कोई अन्य उच्चस्तरीय आवश्यकताओं की उत्पत्ति नहीं हो सकती है। उदाहरणस्वरूप, अगर कोई व्यक्ति भूखा है तो उसमें कभी भी अपनी सुरक्षा तथा सम्मान की बात मन में नहीं आयेगी। दैहिक आवश्यकताओं की मुख्य दो विशेषताएं होती है जो निम्नलिखित है।

(i) दैहिक आवश्यकताएं की प्रवृत्ति पुनरावृतीय (Repetitive) होती है। इसीलिए इसे चक्रीय आवश्यकता (Cycle Need) कहा जाता है। इसकी तुष्टि के लिए किसी दिये समय में पूर्णतः हो सकती है परन्तु कुछ समय बाद बीतने के बाद वे पुनः उत्पन्न हो सकती है। जैसे – भूख लगने पर व्यक्ति भोजन करके भूख की तुष्टि कर लेता है। परन्तु कुछ समय के बाद व्यक्ति में भूख पुनः लग जाता है।

(ii) दैहिक आवश्यकता की दूसरी विशेषता यह है कि उसकी तुष्टि पूर्णतः सम्भव है जो अन्य

P.T.O

उच्चस्तरीय आवश्यकताओं के साथ सही नहीं बैठता है।

(2) सुरक्षा आवश्यकता (Safety needs):- सुरक्षा आवश्यकता में दैहिक सुरक्षा की आवश्यकता, चिन्ता, खतरा तथा अस्त-व्यस्त (chaos) से मुक्ति आदि की आवश्यकता सम्मिलित होती है। मैसलो के अनुसार व्यक्ति में सुरक्षा की आवश्यकता की उत्पत्ति तब होती है जब उसकी दैहिक आवश्यकताओं की तुष्टि हो जाती है। सुरक्षा आवश्यकता इस अर्थ में दैहिक ~~आवश्यकता~~ आवश्यकता से भिन्न है कि सुरक्षा आवश्यकता की पूर्ति तुष्टि पूर्णतः ~~संभवा~~ संभव नहीं है। एक स्वस्थ ~~व्यस्क~~ के वयस्क के लिए सुरक्षा आवश्यकता बहुत उपयुक्त अभिप्रेरक (motivator) नहीं होता है। परन्तु ~~बच्चा~~ बच्चे के लिए सुरक्षा प्रमुख अभिप्रेरक होते है। परन्तु आपातकालीन परिस्थिति जैसे - युद्ध, दुर्घटना, आगजनी आदि के दौरान सुरक्षा आवश्यकता मुख्य ~~अभिप्रेरक~~ के अभिप्रेरक के रूप में रहता है।

विकसीत देश जैसे अमेरिका, रूस आदि में दैहिक आवश्यकता तथा सुरक्षा आवश्यकता व्यक्ति के लिए उनके व्यवहार के मुख्य प्रेरक नहीं होते है क्योंकि ऐसे देश के लोगों के ऐसे निम्नस्तरीय आवश्यकता बहुत हद तक अपने आप तुष्टि रहता है।

Next class.